इटालियन पर्यटक से सम्पर्क में आये लोगों की होगी स्क्रीनिंग

District : dipr
Department :
VIP Person : General
Press Release
State News
Attached Document :
KY-03-03-2020-01.docx (http://103.203.138.54/news/194883/document/KY-03-03-2020-01.docx)

DESCRIPTION

इटालियन पर्यटक से सम्पर्क में आये लोगों की होगी स्क्रीनिंग

जयपुर, 3 मार्च। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा ने कोरोना वायरस के संदिग्ध मरीज को ध्यान में रखते हुए प्रदेश भर में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये है।

डॉ शर्मा ने संदिग्ध मरीज के राजस्थान की सीमा में प्रवेश से लेकर भ्रमण किये गये विभिन्न स्थलों पर चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग की रेपिड रेस्पोन्स टीम भेजकर स्क्रीनिंग करवाने के निर्देश दिये है। इटालियन पर्यटक से सम्पर्क में आये सभी व्यक्तियों की स्क्रीनिंग सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिये है।

उल्लेखनीय है कि 20 सदस्यीय इटालियन पर्यटकों का दल प्रदेश के मण्डावा, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर होते हुए जयपुर पहुंचा था एवं यहां पहुंचने पर एक 69 वर्षीय पर्यटक के बीमार होने पर उसे स्थानीय निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया था एवं वहां से रैफर होने के बाद एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

रेपिड रेस्पोन्स टीमों का गठन
अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री रोहित कुमार सिंह ने एक आदेश जारी कर राज्य में कोरोना वायरस नियंत्रण हेतु समस्त मेडिकल कॉलेज स्तर पर रेपिड रेस्पोन्स टीम का गठन करने के निर्देश दिये है। इन टीमों में पीएसएम विभाग, मेडिसिन विभाग, माइक्रोबायोलोजी विभाग एवं पीडियाट्रिशियन विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं एपीडेमोलोजिस्ट को शामिल किया गया है।

रेपिड रेस्पोन्स टीमों द्वारा कोरोना वायरस के संदिग्ध पर्यटक के द्वारा जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, मण्डावा (झुन्झुनूं) एवं जैसलमेर में ठहरने के होटल एवं भ्रमण स्थलों का निरीक्षण कर निर्धारित प्रोटोकोल के अनुसार आवश्यक गतिविधियां संपादित की जायेंगी। भ्रमण क्षेत्रा में आने वाले राजकीय चिकित्सा संस्थानों पर सम्पर्क में आये व्यक्तियों की चिकित्सीय जांच की जायेगी।

साथ ही ठहरने व भ्रमण किये गये स्थलों का डिस्इंफेक्शन भी करवाया जायेगा। संदिग्ध पाये जाने पर संबंधित व्यक्तियों की जांच हेतु सैम्पल लिया जायेगा। रेपिड रेस्पोन्स टीमों द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के माध्यम से एपीडेमिक इन्वेस्टीगेशन व कोन्टेक्ट ट्रेसिंग प्लान बनाकर समस्त गतिविधियां सम्पादित की जायेगी।